MASA-07

December – Examination 2023

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

(साहित्यशास्त्र)

Paper : MASA-07

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ 8×2=16

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) काव्यप्रकाश के मङ्गलाचरण में किसकी स्तुति की गई है ?

खण्ड—स 2×16=32

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. आचार्य मम्मट सम्मत काव्य लक्षण का वर्णन करते हुए काव्य भेदों का विवेचन कीजिए।

11. रससूत्र पर भट्टलोल्लट, भट्ट शङ्कुक, भट्टनायक और अभिनवगुप्त के सिद्धांतों की विवेचना कीजिए।

12. आचार्य मम्मट के अनुसार ध्वनि काव्यों के भेदों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

13. आचार्य आनन्दवर्द्धन के ध्वनि सिद्धांत पर विस्तृत लेख लिखिए।

(ii) चित्रकाव्य के **दो** भेदों के नाम लिखिए।

(iii) किन्हीं **चार** अर्थदोषों के नाम लिखिए।

(iv) आचार्य वामन के अनुसार गुणों की संख्या कितनी है ?

(v) ध्वनि विरोधी **तीन** मतों के नाम लिखिए।

(vi) अविवक्षितवाच्य ध्वनि के **दो** भेद कौन-कौनसे हैं ?

(vii) कवियों का मार्गनिर्देशक ग्रंथ किसे कहा जाता है और उसके रचनाकार कौन हैं ?

(viii) वक्रोक्ति को काव्य की आत्मा किसने कहा है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** कारिका की हिन्दी में सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

(i) काव्यं यशसेऽर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये।
सद्यः परनिर्वृतये कान्तासाम्मिततयोपदेशयुजे॥

(ii) अनेकार्थस्य शब्दस्य वाचकत्वे नियन्त्रिते।
संयोगाद्यैरवाच्यार्थधीकृद् व्यापृतिरञ्नम्॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** कारिका की सप्रसङ्ग व्याख्या संस्कृत में कीजिए :

(i) प्रतीयमानं पुनरन्यदेव वस्त्वस्ति वाणिषु महाकवीनाम्।
यत्तत् प्रसिद्धावयवातिरिक्तं विभाति लावण्यमिवांगनासु॥

(ii) योऽर्थः सहृदयश्लाघ्यः काव्यात्मेति व्यवस्थितः।
वाच्यप्रतीयमानाख्यौ तस्य भेदावुभौ स्मृतौ॥

4. काव्यप्रकाश के अनुसार 'लक्षणा तेन षड्विधा' कारिका की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. 'त्रयस्ते न पुनर्दशः' उक्ति की विवेचना कीजिए।

6. ध्वन्यालोक में ध्वनि विरोधी मतों का वर्णन करते हुए ध्वन्यालोककार द्वारा किये गये मण्डन का विवेचन कीजिए।

7. काव्यशास्त्र में आचार्य आनन्दवर्द्धन के अवदान की समीक्षा कीजिए।

8. ध्वन्यालोक के आधार पर ध्वनि के भेदों का वर्णन कीजिए।

9. राजशेखर कृत काव्यमीमांसा पर टिप्पणीपरक लेख लिखिए।